भारत सरकार

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3520

दिनांक 17 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

रबड़ की खेती का संकट

3520. **डॉ. शशि थरूरः**

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले दशक के दौरान प्रत्येक वर्ष देश में उत्पादित प्राकृतिक रबड़ के उत्पादन का राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या पिछले कुछ वर्षों के दौरान प्राकृतिक रबड़ का उत्पादन कम हुआ है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने रबड़ बागानों की कम उत्पादकता के कारणों का आकलन करने के लिए कोई शोध या सर्वेक्षण किया है;

(घ) रबड़ बागान की खेती को पटरी पर लाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या केंद्र सरकार का केरल, जिसका रबड़ के राष्ट्रीय उत्पादन में सबसे बड़ा योगदान है, रबड़ के किसानों को होने वाले नुकसान को कम करने का प्रस्ताव है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

<u>वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री</u>

(श्री जितिन प्रसाद)

(क): वर्ष 2014-15 से वर्ष 2023-24 तक देश में प्राकृतिक रबड़ के राज्य-वार एवं वर्ष-वार उत्पादन का ब्यौरा अनुबंध-I में दिया गया है।

(ख) से (घ) : पिछले कुछ वर्षों में प्राकृतिक रबड़ का उत्पादन लगातार बढ़ा है, जो वर्ष 2020-21 में 7,15,000 टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 8,57,000 टन हो गया है। इस अवधि में प्राकृतिक रबड़ की उत्पादकता में भी लगातार बढ़ोत्तरी हुई है जो वर्ष 2020-21 में 1442 किलोग्राम/हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 1485 किलोग्राम/हेक्टेयर हो गई है। भारत सरकार प्राकृतिक रबड़ क्षेत्र के लाभ के लिए रबड़ बोर्ड के माध्यम से "प्राकृतिक रबड़ क्षेत्र का सतत और समावेशी विकास" योजना का कार्यान्वियन कर रही है। इस योजना के तहत, रबड़ बोर्ड अन्य बातों के साथ-साथ प्राकृतिक रबड़ की उत्पादकता और उत्पादन में सुधार के लिए रोपण/पुनःरोपण, वर्षा से बचाव, बेहतर कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने और बीमारियों की रोकथाम के लिए वित्तीय/तकनीकी सहायता प्रदान करता है ।

(ङ) एवं (च): प्राकृतिक रबड़ की कीमतें मांग और आपूर्ति पर निर्भर करती है। अंतर्राष्ट्रीय कीमतें भी घरेलु कीमतों को प्रभावित करती है। जनवरी 2024 से अक्टूबर 2024 की अवधि में प्राकृतिक रबड़ (आरएसएस 4 ग्रेड) की औसत कीमत वर्ष 2023 की समान अवधि में प्राकृतिक रबड़ (आरएसएस 4 ग्रेड) की औसत कीमत की तुलना में अत्याधिक उच्चतर रही। रबड़ किसानों को हुए नुकसान की किसी विशिष्ट घटना के बारे में कोई सूचना नहीं है। इसके अलावा सरकार ने वर्ष 2024-25 से वर्ष 2025-26 के अवधि के लिए रबड़ बोर्ड की योजना हेतु 708.69 करोड़ रू. के संवर्धित परिव्यय को अनुमोदन प्रदान किया है।

अनुबंध I

लोक सभा के 17.12.2024 के अतारांकित प्रश्न संख्या 3520 के भाग (क) के उत्तर संबंधी अनुबंध

प्राकृतिक रबड़ का उत्पादन (टन में)								
वर्ष	केरल	तमिलनाडु	त्रिपुरा	असम	मेघालय	कर्नाटक	अन्य राज्य	भारत
2014-15	507700	23785	47000	17310	8510	34560	6135	645000
2015-16	438630	19495	44245	14560	7360	29400	8310	562000
2016-17	540400	21140	50985	19970	8950	38800	10755	691000
2017-18	540775	21110	50500	23300	9050	38300	10965	694000
2018-19	492500	21500	52300	25200	9300	38900	11300	651000
2019-20	533500	21600	61950	30350	9350	41550	13700	712000
2020-21	519500	19710	73780	34130	9540	43860	14480	715000
2021-22	556600	21630	79730	39240	10840	49085	17875	775000
2022-23	599375	23120	89390	45120	11425	50330	20240	839000
2023-24	609600	23900	91500	46500	11775	52780	20945	857000

(स्रोत: रबड़ बोर्ड)

*****